प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विश्वविद्यालय में वाई. एल. नेने वृक्षायुर्वेद अनुसंधान और प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन

पंतनगर। 15 जनवरी 2024। विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान प्रणाली प्रभाग, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित परियोजना के अतर्गत वाई. एल. नेने वृक्षायुर्वेद अनुसंधान और प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन एशियन एग्री–हिस्ट्री फाउंडेशन के संस्थापक डा. वाई. एल. नेने की छठवीं पुण्यतिथि पर माननीय अतिथि विश्वविद्यालय कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि हरित क्रांति के साथ–साथ जीन रेवोलीयुशन पर भी वैज्ञानिकों को अनुसंधान किया जाना चाहिए।

प्रशिक्षण केन्द्र के उद्घाटन समारोह में उपस्थित अध्यक्ष, भारतीय कृषि–आर्थिक अनुसंधान केंद्र (बीएईआरसी) नई दिल्ली डा. मकरन्द करकरे ने वृक्षायुर्वेद आधारित कृषि पद्धतियों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। राष्ट्रीय समन्वयक, भारतीय ज्ञान प्रणाली प्रभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार प्रो. जी एस मूर्ति ने परम्परागत कृषि ज्ञान परम्परा को आगे बढ़ाने हेतु विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में नीति आयोग एवं आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के प्रतिनिधि डा. अथिरा ने कृषि संकाय के छात्रों हेतु प्राकृतिक खेती विषय को सभी कृषि विश्वविद्यालयों में लागू करने की आवश्यकता जताई, साथ ही उन्होंने बताया कि आज देश में 20 लाख से आधिक किसान 9 लाख हैक्टयर भूमि पर जैविक खेती कर रहे है। निदेशक शोध डा. ए.एस. नैन ने वर्तमान समय में वृक्षायुर्वेद संबधित शोध की आवश्यकताओं पर प्रकाश डाला। डा. सुनीता टी. पाण्डेय ने बताया कि एशियन एग्री–हिस्ट्री फाउंडेशन के संस्थापक डा. वाई. एल. नेने के अथक प्रेरणा से आज इस केंद्र का विश्वविद्यालय में स्थापित किया जा रहा हैं तथा विश्वविद्यालय में किये जा रहे वृक्षायुर्वेद आधारित अनुसंधान की जानकारी दी, साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि इस नव निर्मित प्रशिक्षण केंद्र का उद्देश्य वृक्षायुर्वेद अनुसंधान आधारित तकनीक पर आवश्यकता आधारित तकनीकी सहायता एवं समर्थन प्रदान करना होगा, साथ ही देश में वर्तमान कृषि सम्बन्धित भारतीय ज्ञान प्रणाली के महत्व के बारे में किसानों को प्रशिक्षण प्रदान करना एंव छात्रों युवा वैज्ञानिकों, एवं जन–जन में जागरूकता पैदा करना होगा।

इस अवसर पर अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डा. शिवेन्द्र कश्यप, अधिष्ठाता, पशुचिकित्सा महाविद्यालय डा. एस.पी. सिंह, अधिष्ठाता विज्ञान एवं मानवीकीय महाविद्यालय डा. संदीप अरोरा, कुलसचिव डा. के.पी. रावेरकर, निदेशक संचार डा. जे. पी. जायसवाल, संयुक्त निदेशक सी.आर.सी. डा. एस.के. वर्मा, डा. ललित भट्ट, डा. ए.के. उपाध्याय, डा. एम.एस. पाल, डा. प्रियंका पाण्डे, डा. राजीव कुमार, डा. ओमवती वर्मा, आदि संकाय सदस्यों ने प्रतिभाग किया।

वाई. एल. नेने वृक्षायुर्वेद अनुसंधान और प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन करते कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान एवं अन्य अतिथि।